Student Name - Roll No - 642501 Subject - GENERAL STUDIES PAPER-I Total Score : 178.00

SrNo	1) Q.1 (38.00)	2) Q.2 (38.00)	3) Q.3 (38.00)	4) Q.4 (38.00)	5) Q.5 (38.00)	6) Q6.a (19.00)	7) Q6.b (19.00)	8) Q6.c (19.00)	9) Q.7 (38.00)
1	0.00	0.00	0.00	18.00	18.00	11.00	9.00	0.00	18.00

10) Q.8 (38.00)	11) Q.9 (38.00)	12) Q.10 (38.00)	13) Q.11 (38.00)	14) Q12.a (6.00)	15) Q12.b (10.00)	16) Q12.c (6.00)	17) Q12.d (10.00)	18) Q12.e (4.00)	19) Q13.a (4.00)
18.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

20) Q13.b (8.00)	21) Q13.c (6.00)	22) Q13.d (8.00)	23) Q13.e (10.00)	24) Q14.a (6.00)	25) Q14.b (8.00)	26) Q14.c (8.00)	27) Q14.d (8.00)	28) Q14.e (6.00)	29) Q15.a (6.00)
0.00	0.00	0.00	0.00	6.00	8.00	8.00	8.00	6.00	6.00

30) Q15.b (8.00)	31) Q15.c (8.00)	32) Q15.d (8.00)	33) Q15.e (6.00)
7.00	8.00	8.00	6.00

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

NA Q12.a
NA Q12.b
NA Q6.c
NA Q12.c
NA Q12.d
NA Q12.e
NA Q13.a
NA Q13.b
NA Q13.c
NA Q13.d
NA Q13.e

बि०लो०से०आ.

परीक्षार्थी के लिए आवश्यक अनुदेश

[illegible]

परीक्षा EXAM. 67th main Exam

विषय SUB. General Studies-01

तिथि DATE 30/12/2022

प्रश्न संख्या Q. No.	उत्तर की पृष्ठ संख्या Page No. of ANSWER	प्राप्तांक Marks Obtained
1		
2		
3		
4	12-15	
5	7-11	
6	16-19	
7	20-23	
8	24-26	
9		
10	27-29	
11		
12		
13		
14	1-4	
15	4-6	
16		
17		
18		
19		
20		
कुल (अंकों में) TOTAL (IN FIGURES)		
कुल (शब्दों में) TOTAL (IN WORDS)		

परीक्षक EXAMINER

प्रधान परीक्षक HEAD EXAMINER

C

20281231

मुद्रण 2022-23(B.P.S.C.), 4-केन्द्रीय- 35,000/

BPSC

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin.

वास्तविक उत्पादन
195
163
186
284
195
231

उत्पादन = 210

उत्पादन = 255

$\left(\frac{255-210}{210}\right) \times 100$

[illegible] 5 %

मैं वास्तविक उत्पादन

$= \left(\frac{195-144}{144}\right) \times 100$

$= 35.41\ \%$

$= \left(\frac{163-227}{227}\right) \times 100$

$= -28.19\ \%$

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

ID: 27721 - 5/30/2023 1:03:52 PM
ID: 27720 - 5/29/2023 1:16:06 PM
ID: 27715 - 5/21/2023 1:13:19 PM
ID: 27717 - 5/
ID: 27719 - 5/
ID: 27716 - 6/2/2023 3:10:32 PM
ID: 27729 - 4/18/2023 1:08:32 PM
ID: 27713 - 5/23/2023 11:58:38 AM

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

बि० लो० से० आ०

BPSC

स पृष्ठ पर नहीं लिखें

WRITE ON THIS PAGE

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Examdhara®

BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें।
Enter only question number in the margin

बि॰ लो॰ से॰ आ॰ 1 BPSC

इस हाशिये में परीक्षार्थी कुछ न लिखें।
Candidate should not write in this margin

खण्ड – III

14.

साल	लक्ष्य उत्पादन	वास्तविक उत्पादन
2001-02	144	195
2002-03	227	163
2003-04	125	186
2004-05	210	284
2005-06	255	195
2006-07	295	231

(क) 2004-2005 में लक्षित उत्पादन = 210
2005-2006 में लक्षित उत्पादन = 255

प्रतिशत परिवर्तन = $\left(\frac{255-210}{210}\right) \times 100$

प्रतिशत परिवर्तन = 21.45 %

✓ 6 Q14.a

(ख) लक्ष्य उत्पादन के संबंध में वास्तविक उत्पादन का प्रतिशत,

2001-02 में, प्रतिशत = $\left(\frac{195-144}{144}\right) \times 100$
= 35.41 %

2002-03 में, प्रतिशत = $\left(\frac{163-227}{227}\right) \times 100$
= − 28.19 %

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27765 - 5/31/2023 1:05:44 PM

बि० लो० से० आ० 2 BPSC

2003-04 में, प्रतिशत $= \left(\frac{186-125}{125}\right) \times 100$

$= 48.8\%$

2004-05 में, प्रतिशत $= \left(\frac{284-210}{210}\right) \times 100$

$= 35.23\%$

2005-06 में, प्रतिशत $= \left(\frac{255-195}{195}\right) \times 100 = 30.76\%$

2006-07 में, प्रतिशत $= \left(\frac{231-295}{295}\right) \times 100$

$= -21.69\%$

इसलिए लक्ष्य उत्पादन के संबंध में वास्तविक उत्पादन का प्रतिशत वर्ष 2003-04 की अवधि में उच्चतम था।

8 Q14.b

(ग.) औसत वास्तविक उत्पादन

$= \frac{195+163+186+284+195+231}{6}$

$= 209$

वास्तविक उत्पादन > औसत उत्पादन

2004-05 में, 284, तथा

2006-07 में, 231 था

ऐसे वर्षों की कुल संख्या = 2

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27765 - 5/31/2023 1:05:44 PM

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin.

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

वास्तविक उत्पादन < औसत उत्पादन

2001-02 में, 195

2002-03 में, 163

2003-04 में, 186

2005-06 में, 195

ऐसे वर्षों की कुल संख्या = 4

✓ 8 Q14.c

अनुपात = $\frac{2}{4}$

अनुपात = 1:2

(घ)

लक्ष्य वर्ष	लक्षित उत्पादन	वास्तविक उत्पादन
2002-03	227	163
2005-06	255	195
2006-07	295	231
योग	777	589

अनुपात = $\frac{777}{589}$

अनुपात = 777 : 589

✓ 8 Q14.d

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27765 - 5/31/2023 1:05:44 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

(ङ)

साल	लक्षित उत्पादन	वास्तविक उत्पादन
2002-03	227	163
2005-06	255	195
योग	482	358

लक्षित उत्पादन − वास्तविक उत्पादन

= 482 − 358 = 124

~~अंतर = 124~~ अंतर = 124 इकाई

✓ 6 Q14.e

15.

साल	प्रति व्यक्ति आय (₹ में)	राष्ट्रीय आय (₹'00 करोड़ में)
1951	238	90
1961	328	152
1971	674	397
1981	1630	1224
1991	4933	4726

(क) 1951 में प्रति व्यक्ति आय था = ₹238

1991 में प्रति व्यक्ति आय = ₹4933

प्रतिशत वृद्धि = $\left(\frac{4933-238}{238}\right) \times 100$

= 1972.68%

✓ 6 Q15.a

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27790 - 6/1/2023 3:19:02 PM
ID: 27765 - 5/31/2023 1:05:44 PM

(ख.) 1961 में प्रति व्यक्ति आय = 328
1971 में प्रति व्यक्ति आय = 674

वार्षिक वृद्धि दर = $\left(\frac{674-328}{328}\right) \times 100$

✓ 7 Q15.b

= 105.48%

(ग) 1981 के दौरान राष्ट्र की जनसंख्या

= $\frac{\text{1981 के दौरान राष्ट्रीय आय}}{\text{1981 के दौरान प्रति व्यक्ति आय}}$

= $\frac{1224000000000}{1630}$

1981 की जनसंख्या = 750920245.398

✓ 8 Q15.c

(घ) 1981 की जनसंख्या = 750920245.398

1991 की जनसंख्या = $\frac{\text{1991 के दौरान राष्ट्रीय आय}}{\text{1991 के दौरान प्रति व्यक्ति आय}}$

= $\frac{4726000000000}{4933}$

1991 की जनसंख्या = 958037705.25

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27796 - 6/4/2023 3:19:02 PM

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें
Enter only question number in this margin

इस हाशिया में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

1981–1991 के दौरान वृद्धि जनसंख्या में वृद्धि दर

$$= \left(\frac{\text{1991 की जनसंख्या} - \text{1981 की जनसंख्या}}{\text{1981 की जनसंख्या}} \right) \times 100$$

$$= \left(\frac{958037705.25 - 75092 0245.398}{750920245.391} \right) \times 100$$

वृद्धि = 27.58%

✓ 8 Q15.d

(ङ) 1951 में राष्ट्रीय आय = 9000 करोड़

1991 में राष्ट्रीय आय = 472600 करोड़

$$\text{प्रतिशत वृद्धि} = \left(\frac{472600 - 9000}{9000} \right) \times 100$$

प्रतिशत वृद्धि = 5151.11%

✓ 6 Q15.e

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27796 - 6/4/2023 3:19:02 PM

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin

खण्ड - I

5. कला मानव जीवन की अमूर्त विरासत होती है। मौर्यकाल के शासकों ने न सिर्फ संपूर्ण भारतवर्ष का एकीकरण किया बल्कि साथ ही कला को भी उत्कर्ष पर पहुँचाया। चंद्रगुप्त मौर्य से लेकर अशोक तक तथा उसके बाद दशरथ तक भी मौर्यकालीन कला ऊँचाईयों को छूती रही।

मौर्यकालीन कला को हम दो भागों में बाँट कर देख सकते हैं -

मौर्य कला
- राजकीय कला
  - राजप्रासाद
  - स्तूप
  - स्तंभ
  - विहार
- लोककला
  - स्तंभ के ऊपर पशु आकृति
  - स्वतंत्र कलाकारों द्वारा निर्मित मूर्तियाँ

i) राजकीय कला : ऐसी कला जिसे राजकीय प्रश्रय प्राप्त था उसे राजकीय कला के रूप में जाना जाता था। इसके अंतर्गत मौर्यकाल में राजप्रासाद, स्तंभ, स्तूप तथा विहारों का निर्माण हुआ।

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27758 - 5/25/2023 2:38:20 PM

राजप्रासाद : मौर्यकालीन राजप्रासाद का उदाहरण पाटलीपुत्र स्थित कुम्हरार में देखा जा सकता है। राजप्रासाद की निम्नलिखित विशेषताएँ थी –

- ~~दो कमरे~~
- 64 द्वार
- द्वार के बाहर 60 मीटर चौड़ी तथा 600 मीटर चौड़ी खाई।
- किले की दीवारों पर बीच-बीच में तीर चलाने के लिए खाली स्थान

राजप्रासाद का उल्लेख मेगास्थनीज ने इंडिका में किया है, उन्होंने सभाभवन का जिक्र किया है जोकि राजप्रासाद के अंदर होता था।

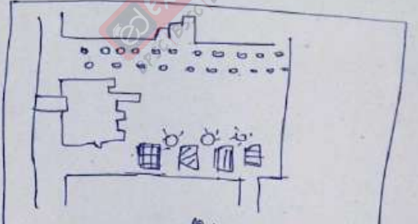

मौर्यकालीन सभाभवन

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27758 - 5/25/2023 2:38:20 PM
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

स्तूप :

स्तूप बौद्ध धर्मावलम्बियों के लिए पूजा स्थल के रूप में होते थे। इस काल में बहुत से स्तूप बनाये गए जिसमें साँची में अशोक के द्वारा बनवाया गया। स्तूप उत्कृष्ट है।

स्तूप की संरचना :

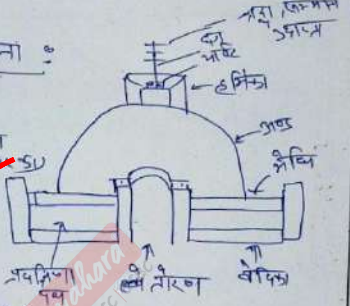

तोरण :- प्रवेश द्वार

वेदिका :- बाहरी घेरा (लकड़ी या पत्थर का)

मेधि :- चबूतरा

अण्ड :- अर्धगोलाकार आकृति

हर्मिका :- बुद्ध के अवशेषों को रखा जाता था।

यष्टि :- छत्र के निर्माण के लिए

छत्र : इसमें बौद्ध धर्म के तीन प्रतीकों के लिए तीन भुजाएँ शास्ता, सम्मान, तथा उपास्ता।

स्तंभ :

मौर्यकाल में स्तंभों का निर्माण बड़ी संख्या में हुआ। इनकी निम्नलिखित विशेषताएँ होती थी –

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27758 - 5/25/2023 2:38:20 PM

Enter only question number in this margin.

- ये अशोक स्तंभ चुनार के बने होते थे।
- ये पत्थर सामान्यत: लाल बलुआ पत्थर होते थे जिन्हें चुनार तथा मथुरा से आयात किया जाता था।
- अपार चमकदार पॉलिश की जाती थी। जिसे 'ओप' कहा जाता था।
- पॉलिश के कारण इनमें धातु के जैसी चमक होती थी।

ii) **लोककला** :

राजकीय प्रश्रय के बिना जो कला स्वतंत्र रूप से विकसित हुई उसे लोककला के नाम से जाना गया। इसमें मुख्यत: दो प्रकार की कला का स्थापत्य देखने को मिलता है।

i) **स्वतंत्र कलाकारों द्वारा निर्मित मूर्तियाँ** :

इस कला में यक्ष तथा यक्षिणी की मूर्तियों का निर्माण उल्लेखनीय है।

यक्ष	दीदारगंज (पटना) बेसनगर (म.प्र.)
यक्षिणी	कुलंदीबाग (पटना) वाराणसी

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27758 - 5/25/2023 2:38:20 PM

ii) स्तंभों के ऊपर पशु आकृति:-

इस काल के अंतर्गत स्तंभों का निर्माण हुआ जिस पर पशुओं की आकृति होती थी। इन पशु आकृतियों में सामान्यतः सिंह, सांड, हाथी, बैल तथा घोड़ा की आकृतियाँ होती थी।

सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ इसी प्रकार की कृति का उदाहरण है।

मौर्यकाल के स्थापत्य आज भी मौजूद हैं जो इस कला की विशेषता को परिलक्षित करता है। चमकदार पॉलिश इस काल की विशेषता रही। इस काल की कला बाद में आने वाले कलाकारों के लिए प्रेरणा स्रोत रही। मौर्यकाल की कला का अनुकरण कर विदेशों में भी स्तूपों तथा विहारों का निर्माण हुआ।

10 2.5

8 2.5

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें
Enter only question number in this margin.

4. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में सन् 1942 ई. में एक सर्वमान्य तथा व्यापक आंदोलन हुआ जिसे भारत छोड़ो आंदोलन के नाम से जाना जाता है। इस आंदोलन में लगभग समाज के सभी वर्गों का सहयोग रहा।

8 अगस्त 1942 को मुम्बई के ग्वालिया टैंक मैदान में कांग्रेस के नेताओं द्वारा एक बैठक हुई। इस बैठक में भारत छोड़ो आंदोलन का प्रस्ताव पारित हुआ।

महात्मा गांधी ने देश को मंत्र दिया – करो या मरो। उन्होंने लोगों से कहा कि देश की आजादी के लिए पूरे मन से आंदोलन करें, इस क्रम में यदि प्राणों की आहुति भी देनी पड़े तो उससे पीछे मत हटें।

इसके विरोध में अंग्रेजों द्वारा ऑपरेशन 'जीरो ऑवर' चलाया गया तथा सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, [illegible] इत्यादि नेताओं के

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27708 - 5/29/2023 4:36:31 PM

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin.

जेल में डाल दिया गया।

इसके विरोध में देश भर में दंगे हुए तथा तोड़-फोड़ तथा आगजनी की गई।

देश भर में समानांतर सरकारों का गठन किया गया। उदाहरण के लिए

बलिया में चित्तू पांडेय के नेतृत्व में
सतारा में वाई.वी.चव्हाण के नेतृत्व में

~~देश का~~
आंदोलन का नेतृत्व द्वितीय पंक्ति के नेताओं के द्वारा किया गया जिसमें जयप्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया, ~~अरूणा~~ अरूणा आसफ अली इत्यादि प्रमुख रहे।

जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार में 'आजाद दस्ता' का निर्माण किया गया। इस दल ने अंग्रेजों को भारि क्षति पहुंचायी।

मुंगेर में 'हवराघ ट्रेन' तथा 'मुंगेर न्यून' चलाये गये।

इस आंदोलन में महिलाओं की भी अतुलनीय भूमिका रही।

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27708 - 5/29/2023 4:36:31 PM

इस हाशिए में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

- शांति देवी - धपदा - जुलूस निकाला तथा नारा दिया - "पुलिस हमारा भाई है।"

- सरस्वती देवी ने भी स्वाधीनता में जोश भरा।

यह एक अचानक होने वाला आंदोलन नहीं था। इस आंदोलन की पृष्ठभूमि 1930 ई. के सविनय अवज्ञा आंदोलन की विफलता के बाद से ही तैयार हो रही थी, जिसने अंततः अगस्त आंदोलन का रूप लिया।

इस आंदोलन के मूल में निम्नलिखित कारण थे -

(i) द्वितीय विश्व युद्ध में देश को जबरदस्ती अंग्रेजों ने देश के बिना किसी शीर्ष नेताओं की अनुमति के युद्ध में झोंक दिया, इसने भी देश में अंग्रेजों के प्रति असंतोष को जन्म दिया।

(ii) 1930 से कोई भी आंदोलन नहीं हुआ था: सविनय अवज्ञा आंदोलन के बाद में से ही देश में कोई भी बड़ा आंदोलन नहीं हुआ था।

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27708 - 5/29/2023 4:36:31 PM

iii) महँगाई में बढ़ोतरी :-

द्वितीय विश्व युद्ध के कारण खाद्य तथा अन्य वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही थी।

iv) क्रिप्स मिशन तथा अगस्त प्रस्ताव की विफलता :

देश को मूर्ख बनाने के लिए अंग्रेजों द्वारा क्रिप्स मिशन तथा अगस्त प्रस्ताव लाया गया। लेकिन दोनों विफल साबित हुए।

समग्रतः हम कह सकते हैं कि भारत छोड़ो आंदोलन ने देश के सभी वर्गों को जागृत किया। इस आंदोलन के बाद देश की आजादी बस औपचारिकता बन कर रह गयी। अब आजादी सुनिश्चित थी बस एक समय का इंतजार था। इस आंदोलन ने अंग्रेजों की कमर तोड़ दी।

10 Q.4
8 Q.4

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I
Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27708 - 5/29/2023 4:36:31 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें Enter only question number in this margin.

8c.

(क) संथाल विद्रोह :

संथाल विद्रोह अंग्रेजों के खिलाफ सिद्धू-कान्हू के नेतृत्व में शुरू हुआ एक व्यापक विद्रोह था। भागलपुर से लेकर राजमहल की पहाड़ियों तक फैला क्षेत्र जिसे 'दामन-ए-कोह' के नाम से जाना जाता था, इस आंदोलन का मुख्य केन्द्र था।

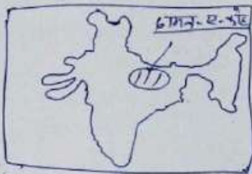

संथाल आंदोलन के कारण निम्नलिखित थे :-

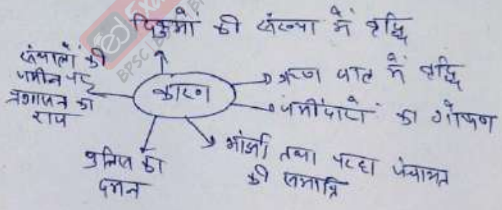

इन्हीं कारणों से संथालों ने सिद्धू-कान्हू-चाँद तथा भैरव के नेतृत्व में लगभग 10,000 संथाल 'भगनाडीह' गाँव में एकत्र हुए तथा अंग्रेजों

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin.
Enter only question number in this margin.

के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह का आह्वान किया।

हालांकि खैरवार विद्रोह अपने उद्देश्यों में सफल तो नहीं हो सका फिर भी इस आंदोलन की तीव्रता ने अंग्रेजों को अपनी नीतियों में परिवर्तन करने पर मजबूर कर दिया।

खैरवार विद्रोह के परिणामस्वरूप

- खैरवार परगना नाम से एक नया जिला बनाया गया।
- इस क्षेत्र के लिए एक प्रशासनिक अधिकारी की नियुक्ति की गयी।
- 'परहा पंचायत तथा मांझी व्यवस्था' को पुनः बहाल कर दिया गया।

कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि खैरवार विद्रोह जनजातियों को उनके अधिकारों को दिलाने में अंशतः सफल हुआ। इस आंदोलन ने बाद के आंदोलनों उदाहरण 'मुंडा विद्रोह' का मार्ग प्रशस्त किया तथा जनजातियों में एकता का नव संचार किया।

1 Q6.a
10 Q6.a
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I
Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27717 - 5/26/2023 1:46:36 PM

Enter only question number in this margin

Candidate should not write in this margin

(ख) चम्पारण सत्याग्रह :

1917 ई. में चम्पारण के रैयत राजकुमार शुक्ल की प्रार्थना को स्वीकार कर महात्मा गांधी चम्पारण पहुँचे तथा किसानों की समस्याओं को जाना तथा उनके लिए सत्याग्रह किया जो कि उनका पहला सफल सत्याग्रह सिद्ध हुआ।

इस आंदोलन का मूल कारण था –

i) तीन कठिया व्यवस्था :

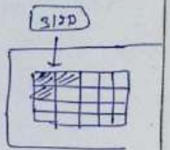

इस व्यवस्था के अनुसार किसानों को भूमि के $\frac{3}{20}$ वें हिस्से पर नील की खेती करनी पड़ती थी।

नील की खेती करने से किसानों को निम्नलिखित परेशानियों का सामना करना पड़ता था –

- खेत की उर्वरा शक्ति कम हो जाती थी।
- फसल चक्र में व्यवधान उत्पन्न होता था।
- किसानों को इस फसल को उगाने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती थी।

ii) औपनिवेशिक नीतियां:

अंग्रेजों के द्वारा कृषि का वाणिज्यिकरण किया जा रहा था।

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें
Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता था।

(iii) जमींदारों द्वारा शोषण :

कर की व्यवस्था अत्यंत कठोर थी। जिसके लिए जमींदारों द्वारा किसानों का शोषण किया जाता था।

महात्मा गांधी के आंदोलन के परिणामस्वरूप 'चंपारण कृषि समिति' का गठन किया गया। इस समिति ने आदेश दिया :-

- किसानों की अवैध कर वसूली के 25% की वापसी की जाये
- तीन कठिया प्रणाली को समाप्त किया जाये।

इस आंदोलन ने महात्मा गांधी को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में पदार्पित कर दिया तथा उन्हें लोगों से जोड़ दिया। इस आंदोलन ने देश को सत्याग्रह की शक्ति से अवगत करवाया। यह आंदोलन आगे किसान आंदोलनों जैसे अवध तथा खेड़ा के लिए प्रेरणा स्वरूप काम किया। यह आंदोलन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि आज भी 40% किसान आत्महत्या करते हैं।

✓ 9 Q6.b

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27717 - 5/26/2023 1:46:36 PM

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें
Enter only question number in this margin

उम्मीदवार इस हाशिये में न लिखें
Candidate should not write in this margin

7. 'क्वाड' भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका तथा जापान के संयुक्त रूप से आर्थिक, व्यापारिक तथा सैन्य सहयोग के लिए बनाया गया समूह है।

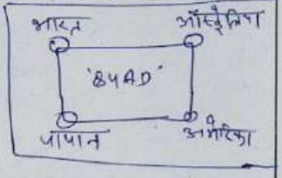

इस समूह की सर्वप्रथम उत्पत्ति 2004 में सुनामी के दौरान सहायता करने के लिए हुई थी। तदुपरांत 2007 में इस समूह देशों की बैठक हुई।

2017 में 'QUAD' अपने वर्तमान रूप में सामने आया। इस समूह के निम्नलिखित उद्देश्य है :-

✓

i) हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में व्यापार :-

हिन्द प्रशान्त क्षेत्र विश्व के 50% व्यापार का वहन करता है इसलिए इस क्षेत्र में व्यापार की असीम संभावनाएं व्याप्त है।

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27711 - 5/28/2023 2:40:13 PM

ii) इस क्षेत्र में निवेश :

इस क्षेत्र के देशों को चीन के ऋण जाल से बचाने के लिए QUAD के देशों के द्वारा 50 बिलियन का निवेश किया गया है।

iii) चीन का प्रतिसंतुलन :

चीन तथा अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता हाल के दिनों में बढ़ गयी है।

चीन इस क्षेत्र में 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' की नीति को अपना रहा है। इस समूह का उद्देश्य इस क्षेत्र में हिन्द प्रशान्त में चीन का मुकाबला करना है।

iv) वैश्विक अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना :

कोविड-19 महामारी, वैश्विक महंगाई, उच्च मुद्रास्फीति तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद की स्थितियों से निपटने के लिए यह संगठन काम कर रहा है।

भारत के लिए 'QUAD' का महत्व अर्थव्यवस्था, राजनीतिक, रणनीतिक, सामरिक तथा कई अन्य क्षेत्रों में है।

i) पड़ोसी प्रथम की नीति :

'क्वाड' का कार्यक्षेत्र हिन्द-प्रशान्त का क्षेत्र है जो कि भारत

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27711 - 5/28/2023 2:40:13 PM
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

के पड़ोस में है। भारत की अपनी 'नेबरहुड फर्स्ट' तथा 'एक्ट ईस्ट' पॉलिसी के लिए एक स्वाभाविक मंच प्रदान करता है।

iii) समुद्री क्षेत्र में विकास :

यदि क्षेत्र में भारत का 2000 km का अनन्य आर्थिक क्षेत्र आता है जिसका फायदा उठाया जा सकता है।

iv) चीन का संतुलन :

चीन के साथ भारत का सीमा विवाद बना रहता है। ऐसे में भारत इस क्षेत्र के देशों के साथ मिलकर चीन पर दबाव बना सकता है।

v) अर्थव्यवस्था का विकास :

भारत की आत्मनिर्भर भारत के लिए एक मंच तैयार करता है तथा 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने में सहयोग दे रहा है।

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27711 - 5/28/2023 2:40:13 PM

5) विश्व में शांति:

भारत की 'गुटनिरपेक्ष' तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम' की परंपरा की आज विश्व को ज्यादा जरूरत है। रूस-यूक्रेन के युद्ध के दौरान विश्व शांति में 'संवाद' के देशों के साथ मिलकर विश्व शांति का पाठ पढ़ा सकता है।

आगे की राह:

• ~~रूस और~~ चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है तथा चीन के साथ भारत 'ब्रिक्स' में सदस्य भी है। ऐसे में भारत को चीन विरोधी होने से बचना होगा।

10 Q.7 [illegible], आतंकवाद, शांति, जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर खुल बातचीत करने की आवश्यकता

समापन: हम कह सकते हैं कि 'संवाद' विश्व हिन्द-प्रशान्त में अर्थव्यवस्था के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में विकास का [illegible] प्रशस्त करेगा।

8 Q.7

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27711 - 5/28/2023 2:40:13 PM

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें
Enter only question number in this margin

8\. देश में सेना भर्ती के लिए एक नयी योजना लायी गई है जिसे 'अग्निपथ योजना' कहा जाता है। इस योजना के निम्नांकित प्रावधान हैं:-

- सेना में भर्ती के लिए युवाओं जिनकी उम्र 17 वर्ष-21 वर्ष है।
- इसके अंतर्गत शुरूआत में छः महीने का प्रशिक्षण तथा 3.5 वर्ष का कार्यकाल।
- 4 वर्ष पश्चात अग्निवीरों में से 75% को रिटायरमेंट दे दिया जाएगा तथा शेष 25% को स्थायी कार्य के लिए चुना जाएगा।
- रिटायरमेंट के दौरान उन्हें 12वीं के समकक्ष प्रमाण पत्र तथा लगभग 11 लाख रूपये दिये जायेंगे।
- असम राइफल्स तथा CAPF में युवाओं की नौकरी में 10% का आरक्षण दिया जायेगा जो अग्निवीर के रूप में कार्य कर चुके हैं।

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27712 - 4/20/2023 12:09:02 PM

6 Q.8

इस योजना की देश में कड़ी आलोचना हुई। एक तरफ इसके फायदे है, तो दूसरी तरफ कुछ नुकसान भी :-

लाभदायक :

- सेना की युवा प्रोफाइल :

अग्निवीरों की अधिकतम आयु 23 वर्ष है जिससे देश की सेना की औसत आयु कम हो जायेगी

- सेना के बजट में कमी :

अभी के समय में सेना का भार पेंशन तथा वेतन देने में खर्च हो जाता है।

5 Q.8

- समाज में युवाओं का संगठन :

यह योजना एक ऐसे युवा वर्ग को जन्म देगी जो समाज में धीर तथा केंद्रित होंगे

कुछ नुकसान :

- समाज का सैन्यीकरण

समाज का सैन्यीकरण हो सकता है, जिससे समाज में अशांति फैल सकती है।

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27712 - 4/20/2023 12:09:02 PM

ii) इन युवाओं को आतंकवादियों द्वारा गुमराह किया जा सकता है।

iii) कोम योग्य अभ्यर्थियों का मोह भंग हो सकता है जिससे सेना में कम योग्य अभ्यर्थी पहुँचेंगे।

iv) 25% की श्रेणी में आने के लिए लुभावन तथा अवसरों की चाटुकारिता।

इस स्थिति से निपटने के लिए प्रयास

- 12 लाख का पैकेज
- उद्यम करने के लिए ऋण में प्राथमिकता
- असम राइफल्स तथा CAPFs में 10% का आरक्षण
- आगे पढ़ाई करने के लिए डिग्री के समकक्ष प्रमाण पत्र तथा ब्रिज कोर्स

कुल मिलाकर देखें तो अग्निपथ योजना देश की सेना को नई ऊर्जा देगी तथा देश की सेना को मजबूत बनायेगी। इस योजना में कुछ कमियाँ हैं जिन्हें दूर करना चाहिए।

7 Q.8

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27712 - 4/20/2023 12:09:02 PM

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Enter only question number in this margin

Candidate should not write in this margin

10. यूक्रेन तथा रूस के बीच का युद्ध लगभग 3 महीनों से अनवरत जारी है जिससे देश तथा विश्व को बहुत बड़ी हानि का सामना करना पड़ रहा है।

यूक्रेन 1991 ई. से पहले सोवियत संघ का हिस्सा था। जब सोवियत संघ का विघटन हुआ। तो देशों ने तय किया कि इस संघ के कोई भी देश नाटो के NATO अर्थात North atlantic treaty organisation के सदस्य नहीं बनेंगे।

इस संधि का यूक्रेन के द्वारा तोड़े जाने की आशंका से रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। तब से यह युद्ध कई महीनों से अनवरत जारी है।

इससे भारत तथा विश्व को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

✓ 6 Q.10

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27714 - 5/24/2023 11:13:00 AM

i) कृषि का संकट :-

रूस तथा यूक्रेन संयुक्त रूप से मक्का, गेहूं, उर्वरक तथा सूरजमुखी के तेल के निर्यातक हैं।

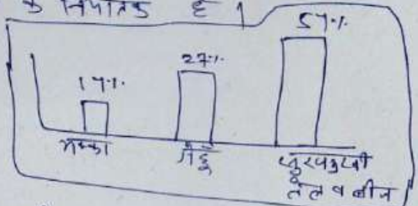

उपर्युक्त आंकड़ा दर्शाता है कि इस युद्ध से कितना बड़ा खाद्य संकट खड़ा हो गया है।

ii) तेल की कीमतें:

तेल की कीमतें पिछले 7.5 सालों में 5 गुनी वृद्धि के साथ 13 प्रति बैरल बढ़ गई है जिससे देश का आयात बिल 10700 रु बढ़ गया है।

iii) उर्वरक :-

खाद नाइट्रोजन उर्वरक का 15% तथा पोटाश का 14% निर्यात

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

इस हाशिये में परीक्षार्थी कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

करता है।

iii) धातुओं की कमी
टाइटेनियम, लोहा, सेमीकंडक्टर का आयात भी प्रभावित कर रहा है। Automobile उद्योग को।

iv) अवसंरचना :
यह युद्ध के दोनों पक्षों में अवसंरचना की क्षति हुई है।

v) सप्लाई चेन का बिगड़ना :
इस युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हुई है।

आगे की राह :-
- भारत को आगे आकर इस युद्ध को समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए।
- ऊर्जा संकट, खाद्य संकट, मुद्रास्फीति की उच्च दर को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ प्रयास कर सकता है।

समग्रतः हम कह सकते हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध को जल्द से जल्द समाप्ति करने के लिए सम्पूर्ण विश्व को एक साथ आना होगा तथा शांति के मार्ग पर चलना होगा।।

✓ 9 Q.10

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27714 - 5/24/2023 11:13:00 AM

Enter only question number in this margin

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Candidate should not write in this margin

Enter only question number in this margin

Candidate should not write in this margin

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिया में केवल प्रश्न संख्या लिखें।
Enter only question number in this margin

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

वि० लो० से० आ० 33 BPSC

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin.

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में अभ्यर्थी कुछ न लिखें।
Candidate should not write in this margin.

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिए में केवल प्रश्न संख्या लिखें।
Enter only question number in this margin

इस हाशिये में परीक्षार्थी कुछ न लिखें।
Candidate should not write in the margin.

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

बि० लो० से० आ०

BPSC

इस पृष्ठ पर नहीं लिखें

DO NOT WRITE ON THIS PAGE

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-I

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com